प्रेस विज्ञप्ति / Press Release **अगस्त / August 6, 2021**

सिडबी ने भारत में उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्वावलंबन चुनौती फंड का शुभारंभ किया

SIDBI launches Swavalamban Challenge Fund to promote entrepreneurship culture in India

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन एवं विकास में संलग्न एक शीर्ष वित्तीय संस्था है। सिडबी ने फ़ॉरेन, कॉमनवैल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस, यूनाइटेड किंगडम,(एफसीडीओ यूके) के साथ साझेदारी में स्वावलंबन चुनौती फंड का शुभारम्भ किया है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs), in partnership with Foreign, Commonwealth & Development Office, UK (FCDO UK) has launched 'Swavalamban Challenge Fund' (SCF).

यह चुनौती फंड, संगठनों के बीच प्रतिस्पर्धा का उपयोग करके विशिष्ट उद्देश्यों के लिए फंड आवंटित करने के लिए एक निधि सहायता तंत्र है। मान लीजिए कि कोई विचार है जिस पर प्रयोग करने या जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है, लेकिन फंड एक बाधा बनी हुई है तो चुनौती फंड इस विचार को निर्धारित रूपरंग में प्रस्तुत करने, इसे लागू करने और मान्य करने के लिए समाधान मंच प्रदान करता है। तत्पश्चात, इसे अन्य दाता / वित्तपोषक की सहायता से आगे बढ़ाया जा सकता है।

A challenge fund is a fund support mechanism to allocate funds for specific purposes using competition among organisations. Suppose there is an idea which needs to be piloted or scaled up, but funds are an issue, challenge fund provides solution platform to present the idea in prescribed theme, implement and validate it. Later the same can be scaled up by leveraging other donor / financier support.

स्वावलंबन चुनौती फंड अलाभार्थ संगठनों / शैक्षणिक संस्थानों / सामाजिक स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा, जिनका ध्यान स्थायी आजीविका, वित्तीय समावेशन, और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच और देश में उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने पर है। आजीविका, महिला

सशक्तिकरण, वित्तीय साक्षरता, उत्तरदायी व्यवसाय आदि चुनिन्दा छह विषयों पर पात्र संस्थाएं पुरस्कार के लिए अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकती हैं।

SCF shall provide financial support to non-profit organisations/educational institutions/social startups which have focus on sustainable livelihood, financial inclusion, and access to financial services besides promoting the culture of entrepreneurship in the country. On select six themes of livelihood, women empowerment, financial literacy, responsible business etc. eligible entities can submit their proposal for award.

डिजिटल पोर्टल (https://scf.udyamimitra.in) के साथ स्वावलंबन चुनौती फंड का शुभारंभ एमएसएमई मंत्रालय के सचिव श्री बी.बी.स्वाई ने किया। इस अवसर पर एमएसएमई के विकास आयुक्त श्री डीके सिंह, श्री सिवसुब्रमणियन रमण, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, सिडबी, सुश्री ममता कोहली, वरिष्ठ सामाजिक विकास सलाहकार और श्री गौरव कपूर, एफसीडीओ यूके, के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

The SCF along with digital portal (https://scf.udyamimitra.in) was launched by Secretary, Ministry of MSME, Shri B. B. Swain in the presence of Shri D. K. Singh, Development Commissioner of MSME, Shri Sivasubramanian Ramann, Chairman and Managing Director (CMD) of SIDBI, Ms. Mamta Kohli, Senior Social Development Advisor and Shri Gaurav Kapoor, Senior Official of FCDO UK.

सिडबी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री सिवसुब्रमणियन रमण ने कहा, "आजादी का अमृत महोत्सव चल रहा है और हमने उद्यमशीलता की स्वतंत्रता को और आसान बनाने के लिए कार्रवाई योग्य / नवीन पहलों को बढ़ावा देने के बारे में सोचा है। चुनौती फंड, इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत हुआ है। मुझे यकीन है कि इस चुनौती फंड के माध्यम से बाधाओं को दूर करने और अभिनव समाधानों के माध्यम से विकास के निर्बाध प्रवाह को आसान बनाया जाएगा।"

Shri Sivasubramanian Ramann, CMD, SIDBI said, "The Azadi ka Amrit Mahotsav is going on and we thought to give a fillip to actionable/innovative initiatives leading to further ease of independence to entrepreneurship. Challenge fund comes with this perspective in mind. I am sure removing barriers and easing the seamless development flow through innovative solutions shall be fostered through this challenge fund."

इस फंड के तहत, 'पायलट श्रेणी' और 'स्केल-अप श्रेणी' इन दो श्रेणियों में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। 'पायलट श्रेणी' के तहत आवेदक अपने प्रस्ताव के साथ नवीन विचारों के प्रयोग / परीक्षण / अभ्यास के लिए आवेदन कर सकते हैं, जबकि 'स्केल-अप श्रेणी' में आवेदकों द्वारा पैमाने को बढ़ाने के लिए पहले से चल रही / पूर्ण परियोजनाओं को नामांकित किया जा सकता है। यह मौजूदा प्रवेश-द्वार 21 अगस्त, 2021 तक खुला रहेगा।

Under this fund, applications are invited in two categories namely, 'Pilot Category' and 'Scale-up Category'. Under the 'Pilot Category' applicants can apply with their proposal to pilot/test/trial their

innovative ideas while in the “Scale-up Category’, already ongoing/completed projects done by the applicants for scaling-up can be nominated. The present window shall be open up to August 21, 2021.

इस फंड का कुल परिव्यय विभिन्न विषयों में चयनित प्रस्तावों की संख्या पर निर्भर करेगा और श्रेणी-वार आवंटित राशि 'पायलट श्रेणी' के लिए 20 लाख रुपये और 'स्केल-अप श्रेणी' के लिए 35 लाख रुपये तक है। इस फंड के परिचालन के लिए परियोजना की अवधि 6 महीने से अधिक और 2 वर्ष तक की होगी।

The total outlay of fund will depend on number of proposals selected in various themes and category-wise amount allocated is up to Rs. 20 lakh for the ‘Pilot Category’ and up to Rs. 35 lakh for the ‘Scale-up Category’. To operationalize the fund, the project period shall be more than 6 months and up to 2 years.

सिड्बी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.sidbi.in पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: https://www.sidbi.in